

अंतर-संसदीय संघ की 150वीं सभा

स्रोत: पी.आई.बी.

लोकसभा अध्यक्ष ने भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ उज़्बेकस्तान के ताशकंद में आयोजित अंतर-संसदीय संघ (IPU) की 150 वीं बैठक में भाग लिया।

अंतर-संसदीय संघ (IPU)

- वर्ष 1889 में स्थापित अंतर-संसदीय संघ, संसदीय कूटनीतिके माध्यम से शांति को बढ़ावा देने वाला राष्ट्रीय संसदों का वैश्विक संगठन है।
 - इसका मुख्यालय जेनिवा में है, इसमें 182 संसद सदस्य और 15 सहयोगी सदस्य (वर्ष 2025) हैं।
 - मुख्य रूप से सदस्यों के योगदान से वित्त पोषित, इसका नारा है: "फॉर डेमोक्रेसी। फॉर एवरीवन।"
- उद्देश्य: इसका उद्देश्य संसदों को जन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिये सशक्त बनाकर लोकतांत्रिक शासन, संवाद और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देना है।
- IPU असेंबली: यह इसका प्रमुख वैधानिक निकाय है, जो लोकतंत्र, मानवाधिकार, शांति और सतत विकास पर प्रस्तावों पर चर्चा करने और उनका अंगीकरण करने के लिये वर्ष में दो बार बैठक आयोजित करता है।
- 150वें IPU संबंधी प्रमुख तथ्य: भारत ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से समावेशी लोकतंत्र पर जोर दिया, 'वसुधैव कुटुंबकम्' जैसे मूल्यों को बढ़ावा दिया, उज़्बेकस्तान, इज़रायल और कज़ाकस्तान के साथ नियमित संसदीय आदान-प्रदान का प्रस्ताव रखा एवं ताशकंद में पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को शरद्धांजलि अर्पित की।

और पढ़ें: भारत-मध्य एशिया शिखर सम्मेलन, भारत और उज़्बेकस्तान के बीच द्विपक्षीय नविश संधि